COMMUNITY FOREST RIGHT ENTITLEMENT-THE COMMUNITY OF SURJULA BEGINS OWNERSHIP



COMMUNITY FOREST RIGHT ENTITLEMENT

THE COMMUNITY OF SURJULA BEGINS OWNERSHIP



The Forest Right Act,2006(FRA) was legislated by the parliament of India to recognize the rights of traditional forest dwellers(the adivasi) and other non traditional forest dwellers on the forest land and the natural resources. These rights, among others, included ownership, protection, regeneration and management of forest land and it's already in possession of the forest dwellers prior to December 13,

2005. The aim of the act was to promote democratic governance of forest and forest resources by local and forest dwelling communities.

Forest Right Act was enacted to minimize the historical in justice done towards the forest dwellers ever since the British colonization started in India prior to independence British colonial had enacted the Forest Rights Act 1927 to control over the forest and its resources through the forest department depriving the millions of forest dwellers rights and even their livelihoods. Hence mass movement and struggles took place for decade and decades for the justice of forest dwellers. At last the Government of India enacted the forest right act 2006 to end up the historical injustice of the forest dwellers communities. After the enactment of act state government started to implement under the guidance of Ministry of Tribal Affair (MOTA) which is the nodal agency at the central govt. Chhattisgarh, which is one of the states of India, started to implement on the forest right act. Gram sabha Surujula of district Jashpur, Chhattisgarh has received community forest entitlement in the recent month.

Village Surjula is situated in the remote area of the Block – Manora, State-Chhattisgarh, Dist-Jashpur, and Country-India. This village is fully covered by the forests and hills. There are approximately 179 households having approximate population of 948. This village consists of tribal communities namely Oraon, Nagesia, Yadav, Lohar, Das and Pahari Korwa, (one of the Primarily Vulnerable Tribal Groups (PVTGs) of Chhattisgarh state of India). Primarily the community members are depended in agriculture, forest produces and they are doing Shifting cultivation. Community members are also taking more interest on agriculture for the livelihoods along with the forest produces. For agriculture, community members are adopting

traditional cultivations, bio-fertilizers, protection and promotion of traditional seeds and other resources of forest and nature. People store grain for cultivation. Some buy the seeds in markets at the sowing time; get seed from lamps (Panchayat seed bank).

VILLAGE TEMPLE

Adivasi Mahila Maha Sangh facilitated the communities about the forest right act and it various provisions to empower and to claim for their individual and community forest entitlement. Through the support of

AMMS the community members started the process of claiming for the entitlement, meantime regularly meetings, trainings, GPS Mapping, documentation, filling up of claim form, submission and follow up taken place at regular basis.

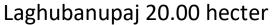


Advocacy and networking had been done with the concern department and likeminded networks at last the hard work of communities brought the good result in form of Community Forest rights entitlement. The

Chhattisgarh Government issued the entitlement under forest right act for grazing 15.00 hector, for NTFP 20.00 hector, Cremation 0.400 hector and for fire wood 10.00 hector. But the entitlement is not up to the expectation or as per the provision of the forest right act 2006. The most important right, the right over natural resource its management, protection and promotion has been denied or restricted. Hence

community members still need to struggle for complete ownership over forest and its resources. Hence it is the beginning not the end.....







Grazing 15.00 hector

भारत सरकार, जनवातीय कार्य मंत्राक्य जनुस्यित जन जाते और जन्य परपायक वन निवासी (वन अधिकारों की मानवत) अधिवित्यम 2006, निवास 2008 व संशोधित निवास 2012 उपार्थस 3 निवास 8 (जने) देखें } सामुदायिक वनाधिकारों के लिए कह					
 मार्ग यदि कोई हो आबटित केंब्र में फिसी बन पाणी का जिल्हा जलाज लकड़ी केंद्र वन पांगों में आग नहीं लग 	सरों के धारक (के) न्य परंपपानत वन नि का स्वरूप स्था में सामुताबिक उ पर स्वाचिन्द, उनका प्रथमिन का अधि संपर्धिक शाम अधि संपर्धिक शाम के भी प्रकार की अवीव संपर्धिक शाम हो भी प्रकार की अवीव संपर्धिक शाम हो भी प्रकार की अवीव संपर्धिक शाम हो भी प्रकार की अवीव संपर्धिक संप्रकार संपर्धिक संपर्धिक संपर्धिक संपर्धिक संपर्धि	का/के नाम वासी विकार - जल संग्रह, उपयोग कार और जैव मुतायिक शरिक ा कटाई नहीं	जाम देशा व् जुल्ला महापूर्व का तकही संग्रहण का अधिका मूल कृषि एवं केवने का अ प्रियं कृषि एवं केवने का अ प्राप्त कृष्टि एवं केवने का अ प्राप्त कृष्टि एवं केवने का अ प्राप्त कृष्टि एवं प्राप्त क्षारा। श्री कारणा	धिकार। भगा से संबंधित बेहिन	
(भार जुलाइ स अवट्रबर) १ 6. वन विभाग के कार्यवीव 7. लघु बनोपन का विमार	मीसमी सोगा अर्था क्रेंडकर क्षेप अर्थाय से तना व अन्य स्वीकृत । विटीन विदोहन फिय	ति पीध पुन । है। बीजनाओं के स आएशा	गोतपादन (Regeneration) अनुसार यन विभाग के कार्यो	की अवधि या ऋतु	
(भार जुलाइ स अक्टूबर) इ 6. वन विभाग के कार्यबीव	मीसमी होगा अर्था क्रेड्डिंट क्षेप अर्थाय से हना व अन्य स्वीकृत । विद्रीन विदेहन फिय प्रतिविधित कृप एनं कु	ति पीध पुन । है। बीजनाओं के रा आएगा। रारोपण केसी है अधिकार	गोतपादन (Regeneration) अनुसार यन विभाग के कार्यो	की अवधि या ऋतु में सहयोग किया जाएगा।	
(भाव पुलाई स अक्टूबर) ह 6. वन विभाग के कार्यवाज 7. लाधु बनीपण का विभाग 8. वन वर्षीपक पुल्टि से ह 9. निम्नलिक्षित के साथ सीम कक्ष क्रमांक एकबा	मीसमी होगा अर्था व्रेज्ञकर केप अर्थाय से नना य अस्य स्वीकृत १ विदीन विदोडन क्रिय प्रतिक्षित सूर एवं कृष्ट सभो का विवरण : मिस्सार का (हेक्टेयर जाताऊ तकडी	ति पीध पुन । है। बीजनाओं के रा आएगा। रारोपण केसी है अधिकार	रोत्यावन (Regeneration) अनुसार वन विभाग के कार्यो । चराई प्रतिबंधित रहेगी। लघु बनोपफ पर अधिकार	की अवधि या ऋतु में सहयोग किया जाएगा।	
े त में किए में के आंधार के आंधार के अंधार के आंधार के आंधार के आंधार के आंधार के आंधार के किए किए के किए किए के किए किए के किए के किए किए के किए	मीसमी होगा आप हेक्कुकर के शामी हो हेक्कुकर के शामी हो होनी होनेहा हिस्सा होनेहा हिस्सा होनेहा हुए एवं कु हा होनेहा हुए होनेहा हुए हिस्सार का (हेक्कुक्कुक्क जस्ताक सकती सीमा विन्ह :- के धारक (को) के य । एक्किक्ड्य सरकारिया	ति पीच पुन है। है। प्रीवनकों के हैं। जाएका हैरेरण लेखें हैं अधिकार में) चराई - - - - - - - - - - - - - - - - - - -	तीरवादन (Regenerat अनुसार मन विभाग के वार्य प्रतिविद्यास मन विभाग के वार्य प्रतिविद्यास नन (स्वरूप्त मन) वार्य प्रतिविद्यास नन वार्य प्रतिविद्यास नन वार्य प्रतिविद्यास नन वार्य प्रतिविद्यास निविद्यास न	कार्यी ।))	



Cremation 0.400 hectors

Fire wood 10.00 hector



Surjula Forest Right Committee